झीनों झिणों कजलो सार ले सुहागण
तेल रमाले केशा म
पांच र पच्चीस थाने खड़या रे उडिके
चाल रे दिवानी उन देशा म

गगन मंडल म घल्या रे हिंडोला
रेशम डोर छिटके न्यारी
सुरत निरत हिंडण बेठ्या
झोटा देव सांवरो गिरधारी

धोला धोला वस्त्र छोड़ दयों सुहागण
भगवा वस्त्र ल्यो प्यारी
भगवा म भगवान मिलेगा
बठ तो कटेली थारी चोरासी

पिवारिये बसबो छोड़ दे सुहागण
सासरिये बस ज्याओ प्यारी
सासरिये रा लोग भालेरा
जिण संग मोज़ा है भारी

आठ्ह नोम्यु आव र दडूकति
ग्यारस बारस स आसी
"रामानन्द"जी रा भणत कबीरा
मझला मझला चढ़ ज्यासी